Title: Regarding islamic education in Madarsas.

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव (पूर्णिया) : उपाध्यक्ष जी, बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं आपका ध्यान वाशिंगटन पोस्ट समाचार-पत्र में छपे 'China flexes muscles at ethnic separatists', लेख को उद्धृत करना चाहता हूं। यह चीन के जिनयांग प्रान्त की खबर है, जो एक मुस्लिम बहुल क्षेत्र है। इस क्षेत्र में कुछ साल से धार्मिक आजादी को खत्म करने के लिए चीन, आतंकवादियों के द्वारा हो रहे अत्याचारों को सही ठहरा रहा है। चाइना में मुस्लिम छात्रों के मस्जिद जाने पर रोक लगा दी है। विश्वविद्यालय में मुस्लिम छात्रों से चीन प्रशासन ने हाल ही में 'कसगर' में चाय की केतली (बदना) इसलिए जब्त कर लिये हैं कि उस केतली का उपयोग नमाज से पहले वजू के लिए किया जाता है। देखा जाये तो चीन ने मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं का और मानवाधिकार का गम्भीर रूप से हनन किया है। इतनी बड़ी विदारक घटना के बावजूद भी पाकिस्तान चीन से मित्रता बढ़ाने में लगा है। प्रधानमंत्री जी को एक पत्र पूर्व सांसद श्री जे.के. जैन ने लिखा है कि यह एक गम्भीर मामला है, इसमें भारत को हस्तक्षेप करना चाहिए। इसलिए हस्तक्षेप करना चाहिए कि जिस तरीके से एक तरफ चीन मुसलमानों पर जुल्म कर रहा है और दूसरी तरफ पाकिस्तान चीन से सम्बन्ध बढ़ा रहा है और दुनिया को यह बता रहा है कि हम कश्मीर के सवाल पर मुसलमानों के प्रति वफादार हैं। जो जुल्म चीन में मुसलमानों पर किया गया, ऐसा जुल्म आज तक दुनिया में शायद ही कहीं किया गया होगा। क्या भारत सरकार इस सवाल पर पाकिस्तान के जो दो चेहरे हैं, एक भारत के प्रति और दूसरा चीन के प्रति, उनको बेनकाब करेगी? पाकिस्तान चाहता है कि भारत की धर्मनिरपेक्ष छवि को भारत के मुसलमानों भीतर, सिख या ईसाइयों के भीतर अफवाह फैलाकर बदनाम करके समाप्त कर दे।

13.00 hrs.

क्या भारत सरकार इस गम्भीर सवाल पर पाकिस्तान के दोहरे चेहरे को बेनकाब करने में सक्षम है और क्या प्रधान मंत्री जी कोई जवाब इस पर देंगे या नहीं ? जिस तरीके से पाकिस्तान के मदरसों मे शिक्षा के सवाल पर साइंटिफिक तरीके से शिक्षा अपनाने की बात कही गई है, क्या भारत सरकार भी यहां मदरसों में इसी तरह की शिक्षा उपलब्ध कराएगी, ताकि र.पी.जे. अबुल कलाम जैसे महापुरूा और भी पैदा किए जा सकें। इसके साथ-साथ देश में मदरसों को जहां आई.एस.आई. शिविर कहकर प्रचारित किया जाता है और यह कहा जाता है कि वहां जेहादी शिक्षा दी जा रही है, उस पर भी रोक लगेगी। यदि भारत सरकार इस पर गम्भीर है तो वह देश में मदरसों में तकनीकी शिक्षा को लागू करे। इस कारण मदरसों पर लग रहे आरोप कि वहां जेहादी शिक्षा दी जा रही है या वे आई.एस.आई. की गतिविधियों के शिविर बने हुए हैं, ये आरोप अपने आप समाप्त हो जाएंगे। इसके साथ ही भारत सरकार को पाकिस्तान के दोहरे चेहरे को बेनकाब करने के लिए गम्भीरता से सोचना चाहिए। पाकिस्तना को बाज आना चाहिए कि एक तरफ तो वह हमारे यहां ढकोसला मुस्लिम प्रेम को बढ़ावा दे रहा है और दूसरी तरफ चीन में मुसलमानों पर हो रहे अत्याचार पर चुप है। यह सबसे गम्भीर इश्यू है और सरकार को भी इस पर गम्भीरता से विचार करके जवाब देना चाहिए। â€¦ (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record. *(Interruptions) â€¦* **

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record. *(Interruptions) â€¦* **